MGP

गाँधी और शांति अध्ययन
में
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य
वर्ष 2020–2021 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) कीकार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्यके पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीयकार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी आरै शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जोआपके कार्यक्रम का एक हिस्सा है और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्यबनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रमदर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूवर्क पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपनेही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होनेचाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधारहोगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभालकर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृ पयाइस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरागाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरणः आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमाके भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों कोनिम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2020 सत्र के लिए	31 मार्च 2021	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें
जनवरी 2020 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2021	

शुभकामनाओं के साथ,

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसारअपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखितबातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगीः

1) **योजनाः** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं,उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषणकरने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें:

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तरः

   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीयकार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखेंऔर जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका काल (एम.जी.पी.–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधी के सिद्धान्त और विचार भौतिक और आध्यात्मिक अंतर्वस्तु का संश्लेषण हैं, विवेचना कीजिए।

2. दक्षिण अफ्रीका में भारतीय श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा तथा नस्लीय भेदभाव के विरुद्ध गाँधी के संघर्ष की चचा कीजिए।

3. गाँधीसे समबन्धित निम्नलिखित घटनाओं के मूलभूत विशेषताएं एवं महत्ता का वर्णन 250 शब्दों में कीजिए :
   (क) लंदन में गाँधी का विधि के छात्र के रूप में अनुभव
   (ख) सविनय अवज्ञा आंदोलन

4. 'रचनात्मक कार्यक्रम' की उत्पत्ति, पृष्ठभूमि और मौलिक क्रिया विधि क्या है?

5. महात्मा गाँधी के अनुसार श्रीमद्भगद्गीता का अर्थ एवं संदेश क्या है? व्याख्या कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) 1916 में गाँधीजी का काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में अभिभाषण
   (ख) खिलाफत आंदोलन

7. (क) गाँधी–इरविन संधि
   (ख) पूना संधि

8. (क) 1919–20 में कांग्रेस–मुस्लिम लीग की एकता
   (ख) गाँधी और भारत छोड़ो आंदोलन

9. (क) सत्याग्रह की उत्पत्ति और महत्व
   (ख) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भगत सिंह कीभूमिका

10. (क) वी.डी. सावरकर
    (ख) रविन्द्रनाथ टैगोर

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम.जी.पी.–005)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–005
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. शांति के अर्थ, प्रकार एवं स्तरों की व्याख्या कीजिए।
2. प्रतिनिधि लोकतंत्र की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।
3. समकालीन संघर्षों के वैश्विक स्रोतों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
4. शांति के सिद्धांत एवं शांति को लाने और कायम रखने के साधन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
5. न्याय की गांधीवादी अवधारणा से आप क्या समझते हैं? विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) रॉल्स के न्याय के सिद्धांतों की समालोचना
   (ख) भारत में सकारात्मक विभेद नीति
7. (क) संघर्ष के श्रोत
   (ख) राष्ट्रों में शांति आंदोलन
8. (क) आर्थिक असमानता एवं शोषण में संबंध
   (ख) धार्मिक सामंजस्य एवं शांति
9. (क) संघर्ष और इसके समाधान के पश्चिमी एवं पूर्वी दृष्टिकोण
   (ख) संघर्ष समाधान के बलात्मक पद्धति
10. (क) झगड़ों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए लोक अदालत की एक प्राधिकरण के रूप में महत्ता
    (ख) शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था के लिए अहिंसा का महत्त्व

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. भारत में सामाजिक क्रांति की उपलब्धियाँ एवं कमियो की व्याख्या कीजिए।

2. भारत में शांति आंदोलन में नेतृत्व की भूमिका की चर्चा कीजिए।

3. गाँधी के पश्चात् अहिंसक आंदोलनों के परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

4. आज के मानवजाति को प्रभावित करने वाले विभिन्न पारिस्थितिक मुद्दे की व्याख्या कीजिए।

5. जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति के महत्त्व को समझायें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) मद्यनिषेध आंदोलन
   (ख) भारत में किसान आंदोलन

7. (क) नारीवादी–पर्यावरण आंदोलन
   (ख) नर्मदा बचाओ आंदोलन

8. (क) भारत में राष्ट्रीय जल नीति
   (ख) 21वीं शताब्दी में ग्रीन पीस आंदोलन (Green Peace Movement)

9. (क) साइलेंट वैली आंदोलन
   (ख) जल–संरक्षण आंदोलन

10. (क) संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन
    (ख) दक्षिण–अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आंदोलन

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–008
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. समरस समाज निर्माण में सहिष्णुता की भूमिका का वर्णन कीजिए।

2. मध्यस्थता के विशेषताओं का परीक्षण कीजिए तथा गाँधी द्वारा इसके प्रयोग का उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

3. **निम्नलिखित पर 250 शब्दों में एक संक्षिप्त लेख लिखें :**

   (क) शांति के लिए नारीवादी दृष्टिकोण की मुख्य विशेषताएं
   (ख) संघर्ष के स्त्रोत

4. संघर्ष समाधान के पश्चिमी दृष्टिकोण की मुख्य विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

5. 'शांति के राजदूत' के रूप में गाँधी की भूमिका की चर्चा कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) स्वरोजगार महिला संघ (SEWA)
   (ख) शांति सेना

7. (क) अनशन का अर्थ और महत्ता
   (ख) हड़ताल का अर्थ और महत्ता

8. (क) संघर्ष समाधान के लिए संवाद और वार्ता प्रक्रिया
   (ख) शांति प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी

9. (क) निर्भयता और साहस की अवधारणा
   (ख) असम में विद्रोह

10. (क) श्रीलंका में तमिल नृजातीय समस्या
    (ख) राष्ट्र–निर्माण की समस्याएं